अभिमान... सब बुराइयों का मूल

जितनी तपस्या... उतना सेवा में बल...

- गतांक से आगे...

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि बाबा कहते हैं यहाँ सेवा का ताज पहनेगा, वहाँ राज्य का ताज पहनेगा। लेकिन सेवा के ताज के साथ अगर लाइट का ताज नहीं होगा, तपस्या का ताज नहीं होगा, त्याग का ताज नहीं होगा तो वहाँ राज्य का ताज नहीं मिलेगा। इसलिए त्याग पर ध्यान देने की बहुत ज़रूरत है। अब आगे पढ़ेंगे...

इसी प्रकार से तपस्या भी चाहिए। चलते-चलते हमारा जीवन ऐसा न हो जाये, जो हम समझें कि हमने तो बहुत योग लगा लिया है। कलियुग में मनुष्य का स्वभाव बन गया है कि कोई भी काम बहुत कर लेने के बाद वह ऊब से जाते हैं, बोर हो जाते हैं। जो व्यक्ति मस्ती में झूम रहा होता है उसकी चलन से, नैनों से, उसकी वाचा से लगता है कि वह व्यक्ति किस मस्ती में है और जो तपस्वी होगा उसके चेहरे से, नयनों से लगेगा। बाबा की याद नयनों में समाई होगी तो जो नयन होंगे, उसकी जो मुस्कुराहट होगी, उसके चेहरे पर जो झलक होगी, उसके मुख से जो वचन निकलेंगे, जिस प्रकार वे रॉयल-वे में चलेंगे, उससे शिवबाबा की प्रत्यक्षता होगी। प्रत्यक्षता केवल कल्प वृक्ष या त्रिमूर्ति समझाने से नहीं होगी। यह तो पहला लेसन है- शिवबाबा का परिचय देने का। लेकिन दूसरे को यह महसूस हो कि हमने जो योग सीखा है उससे हमारी लाइफ में क्या परिवर्तन आया है? जैसे किसी को विज़िटिंग कार्ड देते हैं, उसमें लिखा होता है कि क्या डिग्री प्राप्त की है, क्या ऑक्यूपेशन है, वैसे आपका चेहरा या पर्सनैलिटी ही विज़िटिंग कार्ड हो।

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

प्रत्यक्षता केवल कल्प वृक्ष या त्रिमूर्ति समझाने से नहीं होगी। यह तो पहला लेसन है- शिवबाबा का परिचय देने का। लेकिन दूसरे को यह महसूस हो कि हमने जो योग सीखा है उससे हमारी लाइफ में क्या परिवर्तन आया है? जैसे किसी को विज़िटिंग कार्ड देते हैं, उसमें लिखा होता है कि क्या डिग्री प्राप्त की है, क्या ऑक्यूपेशन है, वैसे आपका चेहरा या पर्सनैलिटी ही विज़िटिंग कार्ड हो।

आप बोलें, न बोलें, आपका चेहरा बोले। जैसे बाबा की बायोग्राफी में हम बताते हैं कि सैंकड़ों-हज़ारों व्यक्ति जा रहे हों, बाबा भी उनके बीच में जा रहे हों तो लोगों का ध्यान जायेगा कि ये व्यक्ति विशेष हैं। जो भी व्यक्ति बाबा से या मम्मा से मिला, बाबा-मम्मा उन्हें युनिवर्सल लगे। बाबा-मम्मा के चित्र को ही देखकर कइयों का जीवन बदल गया। तो ये है तपस्या का फल। जितना हम तपस्या करेंगे, साधना करेंगे, उतना हमारी सेवा में वह बल आयेगा। फिर जो हम बोलेंगे, नेत्रों से हम निहाल करेंगे, बाबा को याद करके लोगों को आन्तरिक सुख देंगे, सेवा का सुख देंगे, सेवा का जो अन्तिम फल होगा, वह ये होगा।

जैसे डॉक्टर इंजेक्शन लगाता है तो पहले नीडल को उबलते पानी मे साफ करता है तो जब योग में हम बैठते हैं, योगयुक्त होकर किसी को ज्ञान देना शुरू करते हैं तो एक प्रकार से अपनी आत्मिक सफाई हो जाती है। अगर उस नीडल को स्टरलाइज्ड न किया जाये, ऐसे ही इंजेक्शन लगा दिया जाये तो वह नुकसानदायक भी हो सकती है। उसमें इन्फेक्शन भी हो सकता है। इसलिए बाबा बोलते थे कि किसी को योगयुक्त होकर नहीं समझायेंगे तो आपके संस्कारों का दूसरों को इन्फेक्शन हो जायेगा।

तो बाबा का हमेशा यह कहना रहा कि हमेशा जब कोई बाबा का परिचय लेने आता है, योग सीखने आता है तो पहले दो मिनट स्वयं बाबा की याद में बैठो, आत्मिक स्थिति में बैठो। पहले स्वयं सोचो कि अब मैं सीट पर सेट हूँ, अब मेरी स्थिति अच्छी है तब बोलना शुरू करो। केवल वाचक ज्ञानी या पण्डित बनकर अगर किसी को समझाआगे तो उसका फल नहीं निकलेगा। अगर आप पहले स्वयं आत्मिक स्वरूप में स्थित होकर, शिव बाबा को याद करके, अपनी उस आनन्द की स्थिति में स्थित होकर बाबा की महिमा करेंगे तो उसके मन को वह लगेगी, उसको टच होगा, बाबा भी आपकी मदद करेगा, उस आत्मा का कल्याण हो जायेगा।

-क्रमशः

कोहिमा-नागालैंड। राजभवन में नशा मुक्त भारत अभियान कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित हैं राज्यपाल ला. गणेशन, ब्रह्माकुमारीज़ मेडिकल विंग के सचिव ब्र.कु. बनारसी लाल शाह, ब्र.कु. रूपा बहन, ब्र.कु. डॉ. सचिन परब व ब्र.कु. विनोद भाई।

दुमका-झारखण्ड। दुर्गा पूजा के उपलक्ष्य में चैतन्य देवियों की झांकी का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए सांसद श्री बसंत सोरेन, ब्र.कु. जयमाला बहन तथा अन्य अतिथिगण।

मोहाली-पंजाब। विश्व मधुमेह दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ के सुख शांति भवन फेज़ 7 में 'सम्बंधों में मधुरता' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए दिल्ली से आये प्रेरणादाई वक्ता व विज्ञान व अभियंता प्रभाग के दिल्ली ज़ोन के ज़ोनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. पीयूष भाई। मंचासीन हैं मोहाली-रोपड़ क्षेत्र के राजयोग केंद्रों की संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेमलता दीदी, मोहाली स्थित फोर्टीज़ के प्रसिद्ध डायबिटोलॉजिस्ट डॉ. सचिन मित्तल तथा अन्य। कार्यक्रम में कुराली, खरड़ व मोहाली क्षेत्र के विभिन्न आयुवर्ग में 350 गणमान्य लोगों ने भाग लिया।

आमेट-राज.। आमेट व्यापार मंडल के अध्यक्ष सतीश सोनी को सम्मानित करने के पश्चात् उन्हें ईश्वरीय स्मृति चिन्ह देते हुए ब्र.कु. पूनम बहन व ब्र.कु. गौरी बहन।

दिल्ली-हरीनगर। ब्रह्माकुमारीज़ सबज़ोन द्वारा विश्व में शांति के उद्देश्य हेतु आयोजित संगठित योग कार्यक्रम के दौरान मग्गो अस्पताल के चेयरमैन सुभाष मग्गो को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए सबज़ोन संचालिका वरिष्ठ राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी।

देहरादून-उत्तराखंड। 'न्यूरोसाइंस व अध्यात्म' विषय पर आयोजित प्रथम इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में सम्बोधित करने के पश्चात् ब्र.कु. डॉ. बिन्नी,माउण्ट आबू को सर्टिफिकेट प्रदान करते हुए रामकृष्ण मिशन चेरिटेबल हॉस्पिटल मुम्बई स्वामी डॉ. दयाधिपानंद एवं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑर्गनाइज़र एंड इंटरनेशनल एक्सपर्ट इन न्यूरोसांइस,डॉ. दीपक गोयल।

जालंधर-पंजाब। ज्ञान चर्चा के पश्चात् समूह चित्र में डिप्टी कमिश्नर, ब्र.कु. संधिरा बहन तथा अन्य।

मिरज़ापुर-उ.प्र.। आध्यात्मिक ज्ञान द्वारा समाज की सतत् सेवाओं हेतु स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ प्रभु उपहार भवन की संचालिका ब्र.कु. बिंदु दीदी को इनरव्हील क्लब ऑफ मिरज़ापुर द्वारा सम्मानित किया गया।

रांची-झारखंड। आध्यात्मिक कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए शिवशंकर सिंह,संगठन मंत्री, स्वामी सहजानंद सरस्वती विकास मंच, अरविन्द कुमार,अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन प्रदेश कार्य समिति सदस्य, गीता देवी,गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा समिति, नीता रमानी,गीतांजलि क्लब दुर्गा पूजा समिति तथा अजय सिंह,अध्यक्ष,संगठन मंत्री,स्वामी सहजानंद सरस्वती विकास मंच अंतु चौक तथा सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. निर्मला दीदी।

बांसवाड़ा-राज.। स्थानीय ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र में भूमि पूजन के अवसर पर सभापति जैनेंद्र त्रिवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष लाभचंद पटेल, पार्षद श्यामा राणा, सिंधी समाज अध्यक्ष अनिल मिठानी, नरेश तलदार, राजयोगिनी ब्र.कु. पूनम दीदी, ब्र.कु. रीटा दीदी, ब्र.कु. सरोज दीदी तथा अन्य भाई-बहनें शामिल रहे।

मसूरी-नैनबाग(उत्तराखंड)। टिहरी गढ़वाल की एसडीएम मंजू रावत के नैनबाग आगमन पर ईश्वरीय सौगात भेंट कर उनका स्वागत करते हुए ब्र.कु. वर्षा बहन और ब्र.कु. यशोदा बहन।